सुरः दहर की अच्छाइयां

तफ़्सीरे बुरहान में जनाबे रसूले ख़ुदा सल्लल्लाहु अलैहि व आलिहि व सल्लम से मंक़ूल है कि जो शख़्स इस का पानी पियेगा तो वह अपने मर्ज़ से शिफ़ा पायेगा और जो इस सूरः को पढ़ेगा तो जज़ा के तौर पर उसे जन्नत हासिल होगी और जो कोई इस सूरः की मुदाविमत करे तो उसका ज़ओफ नफ्स क़वी होगा। हज़रत इमाम जाफ़र सादिक़ अलैहिस्सलाम से मरवी है कि इसका पढ़ना नफ्स को क़वी करता है अगर पढ़ने से आजिज़ हो तो लिखवाए और धो कर पिये और जो शख़्स इसको लड़ाई में पढ़े तो उसका दुश्मन मक़्हूर होगा। हज़रत इमाम अली नक़ी अलैहिस्सलाम ने फ़रमाया कि जो शख़्स रोज़े दो शंबा के शर से महफ़ूज रहना चाहे तो वह सुब्ह की नमाज़ की पहली रकात में सूरः दहर पढ़े।

सूरः दहर

सूरः दहर

बिस्मिल्ला हिर्रहमा निर्रहीम
इबतिदा अल्लाह के नाम से जो बड़ा मेहरबान
और निहायत रहम करने वाला है।

हल अता अ़लल इंसानि
बेशक इंसान पर एक ऐसा वक्त आ चुका
हीनुम मिनद्दहिर लम यकुन
है कि वह कोई चीज़ क़ाबिले ज़िक्र न
शैअम मज़्कूरा० इन्ना
था, हमने इंसान को मख़्लूत नुतफ़े से
ख़ा-लक़्नल इंसा-न मिन
पैदा किया कि हम उसे आज़मायें तो हम

सूरः दहर

नुत्फतिन अम्शाज० नब्तलीहि
ने उसे सुनता देखता बनाया, और उसको
फ-जअ़ल्नाहु समीअ़म बसी़रा०
रास्ता भी दिखाया अब वह ख़्वाह
इन्ना हदैनाहुस्सबी-ल इम्मा
शुक्रगुज़ार हो या ना शुक्रा, हम ने
शाकिरौं व इम्मा कफ़ूरा०
काफ़िरों के लिए ज़ंजीरें तौक़ और
इन्ना अअ़्तद्ना लिल
दहकती हुई आग तय्यार कर रखी है,
काफ़िरी-न सलासि-ल व
बेशक नेकोकार लोग शराब के वह साग़र
अग़्लालंव व सअ़ीरा० इन्नल
पियेंगे जिस में काफ़ूर की आमेज़िश होगी,
अब्रा-र यश्रबू-न मिन काअसन
यह एक चश्मा है जिसमें ख़ुदा के (ख़ास)
का-न मिज़ाजुहा काफ़ूरा०
बंदे पियेंगे और जहां चाहेंगे बहा ले
ऐनय्यश्रबु बिहा अ़िबादुल्लाहि
जायेंग, यह लोग हैं जो नज़रें पूरी करते

यु फ़ज्जिरूनहा तफ़्जीरा०
हैं और उस दिन से जिसकी सख़्ती हर
युफ़ू-न बिन्नज़्र व
तरफ़ फैली होगी डरते हैं, और उसकी
यख़ाफू-न यौमन का-न शर्रुहु
मुहब्बत में मोहताज और यतीम औ
मुस्ततीरा० व युत्अिमू
असीर को खाना खिलाते हैं, और कहते
नत्अ़ा-म अ़ला हुब्बिहि
हैं कि हम तो तुमको बस ख़ालिस ख़ुदा
मिस्कीनौं व यतीमौं व
के लिए खिलाते हैं। हम न तो तुम से
असीरा इन्नमा नुत्अिमुकुम
बदले के ख़्वाहिस्तगार हैं और न शुक्र
जज़ाओं व ला शुकूरा० इन्ना
गुज़ारी के, हम को तो अपने परवरदिगार
नख़ाफु मिर रब्बिना यौमन
से उस दिन का डर है जिसमें मुंह बन
अबूसन क़म्तरीरा फ़
जायेंगे और चहरे पर हवाइयां उड़ती

वक़ाहुमुल्लाहु शर-र
होंगी, तो ख़ुदा उन्हें उस दिन की
ज़ालिकल यौमि व लक़्क़ाहुम
तक्लीफ़ से बचा लेगा और उनको ताज़गी
नज़रतौं व सुरूरा० व
और ख़ुश दिली अता फ़रमायेगा, और
जज़ाहुम बिमा स-बरू
इनके सब्र के बदले (बहिश्त के) बाग़ और
जन्नतौं व हरीरा०
रेशम की पोशाक अता फ़रमायेगा, वहां
मुत्तकिई-न फ़ीहा अलल
वह तख़्तों पर तकिये लगाये बैठे होंगे न
अराइकि ला यरौ-न फ़ीहा
वहां वह (आफ़्ताब की) धूप देखेंगे और न
शम्सौंव वला ज़म्हरीरा० व
शिद्दत की सर्दी, और घने दरख़्तों के
दानियतन अलैहिम ज़िलालुहा
साये उनपर झुके होंगे और मेवों के गुच्छे
व ज़ुल्लिलत कुतूफ़ुहा
उनके क़रीब हर तरह उनके अख़्तियार

सूरः दहर

तज़्लीला० व युताफ़ु अलैहिम
में, और उनके सामने चांदी के सागर और
बिआनियतिम मिन फ़िज़्ज़तिंव
शीशे के निहायत साफ़ और शफ़्फ़ाफ़
व अक्वाबिन कानत क़वारीरा०
ग्लास का दौर चल रहा होगा, और शीशे
क़वारी-र मिन फ़िज़्ज़तिन
भी (कांच की नही) चांदी के जो ठीक
क़द्दरूहा तक़्दीरा० व युस्क़ौ-न
अंदाजे के मुताबिक बनाये गये हैं, और
फ़ीहा कअसन का-न
वहां उन्हें ऐसी शराब पिलाई जायेगी
मिज़ाजुहा ज़ंजबीला० अैनन
जिसमें ज़ंजबील (के पानी) की आमेज़िश
फ़ीहा तुसम्मा सल्सबीला० व यतूफ़ु
होगी, यह बहिश्त में एक चश्मा है
अलैहिम विल्दानुम्मुख़ल्लदू-न
जिसका नाम सलसबील है और उनके
इज़ा रऐतहुम हसिबत्हुम
सामने हमेशा एक हालत में रहने वाले

सूरः दहर

फ़ुरआ-न तंज़ीला० फ़स्बिर
तुम पर क़ुरान को रफ़्ता रफ़्ता करके
लि हुक्मि रब्बि-क वला तुतिअ़
नाज़िल किया, तो तुम अपने परवरदिगार
मिंहुम आ़सिमन औ कफ़ूरा०
के हुकम के इंतेज़ार में सब्र किये रहो
वज़्कुरिस-म रब्बि-क बुक्रतौंव
और उन लोगों में गुनहगार और ना शुक्रे
असीला० व मिनल्लैलि फ़स्जुद
की पेरवी न करना, और सुब्ह और शाम
लहु व सब्बिह हु लैलन
अपने परवरदिगार का नाम लेते रहो, और
तवीला० इन-न हाउलाइ
कुछ रात गये उसका सज्दा करो और
युहिब्बूनल आजि-ल-त व
बड़ी रात तक उसकी तस्बीह करते रहो,
य-ज़-रू-न वराअहुम यौमन
यह लोग यक़ीनी दुनिया को पसन्द करते
सक़ीला० नह्नु ख़लक़्नाहुम
हैं और बड़े भारी दिन को अपने पसे पुश्त

लुअलुअम मंसूर० व इज़ा रऐ-त
नौजवान लड़के चक्कर लगाते होंगे तो
नअ़ीमन व मुल्कन कबीरा०
हर तरह की निमत और अज़ीमुश्शान
आ़लियहुम सि़याबु सुंदुसिन
सल्तनत देखोगे, उनके ऊपर सब्ज़ करेप
खुज़्रुवं व इस्तबरकुवं व हुल्लू
और अतलस की पोशाक होगी और उन्हें
असावि-र मिन फ़िज़्ज़तिन व
चांदी के कंगन पहनाये जायेंगे और
सक़ाहुम रब्बुहुम शराबन
उनका परवरदिगार उन्हें निहायत
तहूरा० इन-न हाज़ा का-न
पाकीज़ा शराब पिलायेगा, यह यक़ीनी
लकुम जज़ाअौं व का-न
तुम्हारे लिए होगा तुम्हारी (कारगुज़ारियों
सअ़युकुम मश्कूरा० इन्ना
के) सिला में और तुम्हारी कोशिश
नह्नु नज़्ज़ल्ना अ़लैकल
क़ाबिले शुक्रगुज़ारी है, (ऐ रसूल) हमने

व शद्दना अस्रहुम व इज़ा
छोड़ बैठे हैं, हमने उनको पैदा किया और
शिअना बद्दल्ना अम्सालहुम
उनके आज़ा को मज़्बूत बनाया और अगर
तब्दीला० इन-न हाज़िहि
हम चाहें तो उनके बदले उन्ही के ऐसे
तज़्किरह फमन शाअत्त-ख़-
लोग ले आयें बेशक यह क़ुरान सरासर
ज़ इला रब्बिहि सबीला
नसीहत है तो जो शख़्स चाहता है कि
वमा तशाऊ-न इल्ला
अपने परवरदिगार की राह ले, और जब
अंय्यशाअल्लाहु इन्नल्ला-ह
तक ख़ुदा को मंजूर न हो तुम लोग कुछ
का-न अलीमन हकीमा०
भी चाह नहीं सकते, बेशक ख़ुदा बड़ा
युदख़िलु मंय्यशाउ फ़ी
वाक़िफकार दाना है, जिसको चाहे अपनी
रहमतिहि वज़्ज़ालिमी-न
रहमत में दाख़िल कर ले और ज़ालिमों

सूरः दहर

अ-अद्-द लहुम अज़ाबन
के वास्ते उसने दर्दनाक अज़ाब तय्यार
अलीमा०
कर रखा है।